

‘मॉडर्न कॉलेज’ की प्रगति का मुख्य स्तंभ : डॉ. गजानन एकबोटे

प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी की महान विरासत को संजोते हुए डॉ. गजानन एकबोटे सर पिछले करीब ढाई दशक से ज्ञानदान का कार्य कर रहे हैं. इसके साथ ही वे ‘मॉडर्न कॉलेज’ को भी सतत रूप से प्रगति के रास्ते पर ले जाने के लिए कार्यरत हैं. डॉ. एकबोटे को शिक्षा और प्रबंधन क्षेत्र का अच्छा-खासा अनुभव है. सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में डॉ. एकबोटे ने फैकल्टी ऑफ मेडिसीन के डीन के तौर पर काफी महत्वपूर्ण कार्य किया. वे एक सख्त प्रशासक के तौर पर जाने जाते हैं. इसके अलावा पुणे के विख्यात बी. जे. मेडिकल कॉलेज में उन्होंने सर्जरी प्रोफेसर के तौर पर बेहतरीन काम किया है. उनके कार्य को देखते हुए महाराष्ट्र के राज्यपाल द्वारा डॉ. एकबोटे को महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ (नाशिक) के मैनेजमेंट काउन्सिल के सदस्य पद पर चयनीत किया गया.

डॉ. एकबोटे ने नेतृत्व में हमेशा ‘मॉडर्न’ कॉलेज से संबंधित सभी को मार्गदर्शन दिया और उन्हीं के नेतृत्व में संस्था ने काफी प्रगति की. प्रोग्रेसिव एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. गजानन एकबोटे के सहयोगी भी शिक्षा के प्रति काफी समर्पित भाव से अपना कार्य करते हैं. पीईएस के संस्थापक स्व. एस. आर. कानिटकर के महान आदर्शों पर चलते हुए संस्था के सभी सदस्य इस विरासत को और ज्यादा लोकाभिमुख कराने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं. उनका मार्गदर्शन ऐसा रहता है कि, उनके मार्गदर्शन



में इस संस्था के सभी सदस्य पीईएस द्वारा संचालित सभी स्कूल-कॉलेजों को एकेडेमिक एक्सलन्स के लिए हमेशा सचेत रहते हैं और इस दिशा में काम करते हैं. वे पीईएस के सभी सदस्य शिक्षकों को हमेशा उचित मार्गदर्शन देते हैं. ‘प्रगतिशीलता’ और ‘आधुनिकता’ इन दोनों शब्दों को पीईएस के सभी सदस्य अपने जेहन में हमेशा जीवित रखते हुए कार्य करते हैं.

डॉ. एकबोटे के साथ-साथ पीईएस की सहकार्यवाह तथा मॉडर्न कॉलेज के विकास समिति की प्रमुख प्रा. ज्योत्सना एकबोटे, संस्था के सचिव शशिकांत देशमुख और मॉडर्न कॉलेज के प्राचार्य राजेंद्र झुजारराव के मार्गदर्शन में यह कॉलेज प्रगति के शिखर पर अग्रेसर है. इन सभी के मार्गदर्शन में मॉडर्न कॉलेज ने हमेशा ही शिक्षा की पवित्रता को बनाए रखते हुए उसका व्यावसायीकरण होने से बचाया है, यह इस कॉलेज की सबसे अलग विशेषता है.